an>

Title: Need to formulate a scheme to make Kali river passing through Meerut and Hapur in Uttar Pradesh pollution free.

श्री राजेन्द्र अग्रवाल (मेरठ): अध्यक्ष जी, मेरठ व हापुड़ से होकर गुजरने वाली काली नदी भयंकर प्रदूषण की मार से कराह रही है। नदी में भारी धातुओं व विषैले रसायनिक तत्वों की भरमार है। जल की शुद्धता के कारण क्षेत्र की जीवनदायिनी काली नदी के तटों पर किसी समय आबाद होने वाले लगभग 1200 ग्राम एवं कस्बे आज त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। केवल बहने वाला जल ही नहीं बल्कि इसके आसपास के क्षेत्र का 50-60 फीट नीचे तक का भू-गर्भीय जल भी विषाक्त हो चुका है जिसकी पुष्टि परीक्षणों द्वारा हो चुकी है। इस प्रदूषण के कारण नदी किनारे बसा समाज कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से ग्रसित होता जा रहा है।

अध्यक्ष जी, भारत सरकार द्वारा देश की राष्ट्रीय नदी गंगा को प्रदूषण मुक्त करने हेतु "नमामि गंगे " अभियान प्रारम्भ किया गया है। गंगा को प्रदूषण मुक्त करने के लिए उसकी सहायक नदियों को भी स्वच्छ करना अत्यन्त आवश्यक है। इस तथ्य को सरकार भी मानती है तथा निश्चित रूप से सम्पूर्ण सदन भी इससे सहमत होगा। काली नदी गंगा की प्रमुख सहायक नदियों में से एक है तथा मुज़फ्फरनगर जनपद से निकलकर लगभग 300 किलोमीटर का सफर तय करके कन्नौज जनपद में जाकर गंगा में समाहित होती है। इस नदी का समस्त प्रदूषण अंततः गंगा नदी में ही समा जाता है। जब तक काली नदी को साफ करके प्रदूषण मुक्त नहीं किया जायेगा तबतक गंगा नदी भी पूर्णतया प्रदूषण से मुक्त नहीं हो पाएगी।

मेरा आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध है कि काली नदी को प्रदूषण मुक्त करने हेतु व्यापक तथा प्रभावी योजना बनायी जाए और इसे भारत सरकार के "नमामि गंगे " कार्यक्रम में शामिल किया जाए।

HON. SPEAKER: Shri Prahlad Singh Patel.

I think, what you want to raise is a State matter.